महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

पाठ्यक्रम एवं परीक्षा–योजना

कला संकाय

विषय – संस्कृत

एम.ए. उत्तरार्द्ध परीक्षा 2018

महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

एम.ए. संस्कृत

1. एम.ए. संस्कृत में कुल 9 प्रश्नपत्र उत्तीर्ण करने होंगे।
2. पूर्वार्द्ध में चार प्रश्नपत्र निर्धारित हैं।
3. उत्तरार्द्ध में 5 प्रश्नपत्र होंगे। पञ्चम एवं षष्ठ प्रश्नपत्र सभी वर्गों के लिए अनिवार्य है (षष्ठ में से कोई एक प्रश्नपत्र लेना होगा) शेष 3 प्रश्नपत्र किसी एक ही वर्ग से लेने होंगे।
4. प्रत्येक प्रश्नपत्र 3 घंटे की अवधि और 100 अंकों का होगा। न्यूनतम उत्तीर्णाङ्क प्रश्नपत्र विशेष में 25 अंक, किन्तु सभी प्रश्नपत्रों में मिलाकर 36 प्रतिशत होगा।
5. **उद्देश्य–**

   (1) वैदिक साहित्य के ज्ञान तथा भारतीय संस्कृति के मूलभूत संस्कारों से युवा पीढ़ी को संस्कारित करना।

(2) प्राचीन व आधुनिक संस्कृतभाषा व साहित्य से विद्यार्थियों को अवगत कराना तथा उनमें संस्कृत भाषा को पढ़ने व बोलने की क्षमता उत्पन्न करना।

(3) देववाणी संस्कृत को व्यवहार–भाषा बनाना तथा विदेशों तक संस्कृत भाषा के मूल्यों को पहुँचाना।

एम.ए. उत्तरार्द्ध (संस्कृत), परीक्षा 2018

1. इस परीक्षा में पाँच प्रश्नपत्र 3 घण्टे की अवधि एवं 100 अंक के होंगे।

2 पञ्चम एवं षष्ठ प्रश्नपत्र सभी वर्गों के लिए अनिवार्य होंगे तथा शेष तीन प्रश्नपत्र (सप्तम, अष्टम एवं नवम) वर्ग अ, आ, इ अथवा ई में से किसी एक ही वर्ग के होंगे।

सभी वर्गों के लिए अनिवार्य

पञ्चम प्रश्नपत्र – निबन्ध, व्याकरण एवम् अनुवाद

षष्ठ प्रश्नपत्र – (क) शास्त्रीय साहित्य एवं काव्य

अथवा

(ख) आधुनिक साहित्य

अथवा

(ग) लघु शोध–प्रबन्ध (नियमित छात्रों के लिए)

वर्ग 'अ' – साहित्य

सप्तम प्रश्नपत्र – संस्कृत काव्यशास्त्र

अष्टम प्रश्नपत्र – नाटक एवं नाट्यशास्त्र

नवम प्रश्नपत्र – (क) प्राचीन काव्य

अथवा

किसी भी कवि का विशेष अध्ययन –

(ख) भास

अथवा

(ग) कालिदास

वर्ग 'आ' – वैदिक साहित्य

सप्तम प्रश्नपत्र – संहिता–पाठ

अष्टम प्रश्नपत्र – ब्राह्मण, उपनिषद् तथा वैदिक ग्रन्थ

नवम प्रश्नपत्र – वैदिक धर्म का तुलनात्मक विवेचन एवं देवशास्त्र

वर्ग 'इ' – दर्शनशास्त्र

सप्तम प्रश्नपत्र – न्याय और वैशेषिक दर्शन

अष्टम प्रश्नपत्र – सांख्य योग–मीमांसा दर्शन

नवम प्रश्न पत्र – अद्वैत वेदान्त दर्शन

वर्ग 'ई' – व्याकरण शास्त्र

सप्तम प्रश्न पत्र – वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी

अष्टम प्रश्न पत्र – प्रक्रिया एवं दर्शन

नवम प्रश्न पत्र – व्याकरण दर्शन

एम.ए. संस्कृत (उत्तरार्द्ध) परीक्षा 2018

इस परीक्षा में पाँच प्रश्नपत्र होंगे। प्रस्तावित विषय–वर्गों में से एक वर्ग का चयन करना होगा, जिसके तीन प्रश्नपत्र प्रति वर्ग निर्धारित हैं। पंचम एवं षष्ठ प्रश्नपत्र सभी वर्गों के लिए अनिवार्य है। सभी प्रश्नपत्रों का समय तीन घण्टे की अवधि का रहेगा तथा सभी प्रश्नपत्र 100 अंक के निश्चित किए गए हैं। न्यूनतम उत्तीर्णाङ्क प्रश्नपत्र विशेष में 25 अंक, किन्तु पाँचों प्रश्नपत्रों में मिलाकर 36 प्रतिशत होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र में 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित हैं। पूर्वार्द्ध की परीक्षा में 55 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले नियमित परीक्षार्थी यदि चाहें तो वह उत्तरार्द्ध में षष्ठ प्रश्नपत्र के स्थान पर लघु शोधप्रबन्ध भी लिख सकते हैं।

अवधेयम्

1. प्रत्येक प्रश्नपत्र में निर्धारित पाठ्य–विषयों अथवा ग्रन्थों के इतिहास से सम्बद्ध प्रश्न भी पूछे जायेंगे, जिनसे परीक्षार्थी के तत्सम्बन्धी ज्ञान का परिज्ञान हो सके।

प्रत्येक प्रश्नपत्र संस्कृत भाषा के माध्यम से बनाया जायेगा, परन्तु विद्यार्थियों को यह छूट है कि वह उस प्रश्न–विशेष के अतिरिक्त, जिसका उत्तर परीक्षक ने संस्कृत में मांगा है, सभी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों से अपेक्षा है कि अध्ययनाध्यापन का माध्यम संस्कृत हो।

सभी वर्गों के लिए अनिवार्य

पञ्चम प्रश्नपत्र – निबन्ध, व्याकरण एवम् अनुवाद

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100 अंक**

अंक–विभाजन

1. निबन्ध	20 अंक
2. महाभाष्य (पस्पशाह्निक)	20 अंक
3. कृदन्त	20 अंक
4. तद्धित एवं स्त्रीप्रत्यय	15+10 = 25 अंक
5. अनुवाद	15 अंक
	योग 100 अंक

पाठ्यक्रम एवम् अंकयोजना

इकाई 1. निबन्ध 20 अंक

कम से कम 10 निबन्ध–विषय दिये जाने चाहियें, जिनमें सभी वर्गों (अ, आ, इ, ई) के विषयों (वैदिक साहित्य, ललित साहित्य, भारतीय दर्शन, इतिहास–पुराण, व्याकरण तथा आधुनिक संस्कृत–साहित्य) पर, प्रत्येक में से कम से कम दो विषयों पर निबन्ध पूछा जाना चाहिए, जिनमें छात्र को यथेष्ट एक विषय पर निबन्ध लिखना अपेक्षित है।

इकाई 2. महाभाष्य (पस्पशाह्निक) 20 अंक

इकाई 3. लघुसिद्धान्तकौमुदी – कृदन्त (कृत्य, पूर्वकृदन्त एवं उत्तरकृदन्त) 20 अंक

इकाई 4. (क) लघुसिद्धान्तकौमुदी (तद्धित प्रकरण) – अपत्याधिकार, शैषिक, ठगधिकार, भवनार्थक एवं मत्वर्थीय प्रकरण 15 अंक

(ख) लघुसिद्धान्तकौमुदी–स्त्रीप्रत्यय 10 अंक

इकाई 5 अनुवाद –

(क) दो अवतरणों को प्रस्तुत कर उनमें से एक अवतरण का संस्कृत में अनुवाद कराया जाना अपेक्षित है। 10 अंक

(ख) 10 में से किन्ही 5 संस्कृत–वाक्यों में अशुद्धि–शोधन। 5 अंक

परीक्षकों के लिए निर्देश :

1. प्रश्नपत्र संस्कृत माध्यम से बनाया जाए।
2. प्रश्नपत्र इकाइयों में विभक्त हो।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित अंश की ही व्याख्या या उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछा जाए।
4. प्रश्नपत्र में कुछ न कुछ परिवर्तन होता रहता है, अतः पूर्ववर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र को आदर्श न मानें।

पाठ्य एवं सहायक पुस्तकें

1. महाभाष्य – चारुदेव शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

2. पस्पशाह्निक (महाभाष्य) – डॉ. सत्यप्रकाश दुबे, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
3. पस्पशाह्निक (महाभाष्य) – आ. युधिष्ठिर मीमांसक, चौखम्बा प्रकाशन
4. प्रौढ़निबन्धसौरभम् – पं. विश्वनाथ मिश्र, हंसा प्रकाशन, जयपुर
5. संस्कृत निबन्धशतकम् – कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन
6. प्रबन्धरत्नाकर – डॉ. रमेश चन्द्र शुक्ल, चौखम्बा प्रकाशन
7. बृहद् संस्कृतनिबन्धकलिका – पं. शिवप्रसाद द्विवेदी, भारतीय विद्या प्रकाशन
8. संस्कृत निबन्ध–पथ–प्रदर्शक – वी.एस. आप्टे, रामनारायणलाल बेणीमाधव
9. संस्कृत निबन्धशतकम्, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
10. लघुसिद्धान्तकौमुदी – भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली
11. लघुसिद्धान्तकौमुदी – महेशसिंह कुशवाहा, चौखम्बा प्रकाशन
12. लघुसिद्धान्तकौमुदी – पं. सुरेन्द्रदेव स्नातक, चौखम्बा प्रकाशन
13. लघुसिद्धान्तकौमुदी – अर्कनाथ चौधरी, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय
14. एम.ए. संस्कृत व्याकरण – डॉ. श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य–भण्डार, मेरठ
15. लघुसिद्धान्तकौमुदी – पं. हरेकान्त मिश्र, भारतीय विद्या प्रकाशन
16. प्रौढ़ रचनानुवादकौमुदी – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
17. भारती (मासिक) – भारती कार्यालय, न्यू कॉलोनी, जयपुर
18. स्वरमंगला (त्रैमासिक) – राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर
19. सारस्वतसुषमा – सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
20. सागरिका – सागरिका–समिति, सागर
21. सम्भाषण–संदेशः (मासिक) – अक्षरम्, गिरिनगरम्, बेंगलूरु
22. संस्कृत–प्रतिभा – साहित्य अकादमी, दिल्ली

सभी वर्गों के लिये अनिवार्य

षष्ठ प्रश्नपत्र – (क) शास्त्रीय साहित्य एवं काव्य

समय 3 घण्टे **100 अंक**

अंक विभाजन

इकाई–1 वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम उन्मेष)	20 अंक
इकाई–2 काव्यमीमांसा (एक से पांच अध्याय)	20 अंक
इकाई–3 कौटिल्य का अर्थशास्त्र (प्रथम अधिकरण)	20 अंक
इकाई–4 हर्षचरितम् (पञ्चमोच्छ्वास)	20 अंक

इकाई–5 कादम्बरी (महाश्वेता–वृत्तान्त) 20 अंक

योग 100 अंक

पाठ्यक्रम एवम् अंकयोजना

1. वक्रोक्तिजीवितम् – प्रथम उन्मेष
2. काव्य मीमांसा – प्रथम से पञ्चम अध्याय
3. कौटिल्य–अर्थशास्त्र – प्रथम अधिकरण
4. हर्षचरितम् – पञ्चमोच्छ्वास
5. कादम्बरी – महाश्वेता वृत्तान्त (तस्य च तदक्षिणाम्... उन्मुक्त कण्ठमतिचिरमुच्चैः प्रारौदीत्)

विशेष : काव्यमीमांसा से सम्बन्धित एक प्रश्न (10 अंक) तथा कौटिल्य अर्थशास्त्र से एक प्रश्न (10 अंक) संस्कृत माध्यम से पूछा जाएगा। सभी पुस्तकों से व्याख्या एवं सामान्य प्रश्न पूछे जाएँगे।

परीक्षकों के लिए निर्देश :

1. प्रश्नपत्र संस्कृत माध्यम से बनाया जाए।
2. प्रश्नपत्र इकाइयों में विभक्त हो।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित अंश की ही व्याख्या या उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछा जाए।
4. प्रश्नपत्र में कुछ न कुछ परिवर्तन होता रहता है, अतः पूर्ववर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र को आदर्श न मानें।

पाठ्य एवं सहायक पुस्तकें

1. वक्रोक्तिजीवितम् – आचार्य विश्वेश्वर
2. कौटिल्य अर्थशास्त्र – उदयवीर शास्त्री
3. कौटिल्य अर्थशास्त्र – वाचस्पति गैरोला
4. कौटिल्य अर्थशास्त्र – डॉ. रघुनाथसिंह
5. काव्यमीमांसा – केदारनाथ शर्मा
6. हर्षचरितम् – व्या. तारणीश झा
7. कादम्बरी – व्या. कृष्णचन्द्र शास्त्री

अथवा

षष्ठ प्रश्नपत्र (ख) आधुनिक साहित्य

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

अंकविभाजन

इकाई–1 विवेकानन्दविजयम् (श्रीधर भास्कर वर्णेकर) – 1 से 5 अंक 20 अंक

इकाई–2 विवेकानन्दविजयम् (श्रीधर भास्कर वर्णेकर) – 6 से 10 अंक 20 अंक

इकाई–3 शिवराजविजयम् (प्रथम विराम के प्रथम व द्वितीय निश्वास) 20 अंक

इकाई–4 मधुच्छन्दा (डा. हरिराम आचार्य) एवं विद्याधर नीतिरत्नम् (पं. विद्याधरशास्त्री) 10+10=20 अंक

इकाई–5 निर्धारित कवियों का सामान्य अध्ययन 20 अंक

योग 100 अंक

पाठ्यक्रम एवम् अंकयोजना

इकाई–1 (क) विवेकानन्दविजयम् के 1 से 5 अंक से व्याख्या 10 अंक

(ख) विवेकानन्दविजयम् के 1 से 5 अंक से अनुवाद 10 अंक

इकाई–2 (क) विवेकानन्दविजयम् के 6 से 10 अंक से व्याख्या 10 अंक

(ख) विवेकानन्दविजयम् से सामान्य प्रश्न 10 अंक

इकाई–3 (क) शिवराजविजयम् से दो गद्यांशों का अनुवाद 12 अंक

(ख) शिवराजविजयम् से सामान्य प्रश्न 8 अंक

इकाई–4 (क) मधुच्छन्दा (डा. हरिराम आचार्य विरचित) से व्याख्या 10 अंक

(ख) विद्याधरनीतिरत्नम् (पं. विद्याधरशास्त्री विरचित) से व्याख्या 10 अंक

इकाई–5 निम्नलिखित कवियों का सामान्य अध्ययन 20 अंक

1. भट्ट मथुरानाथ शास्त्री	2. पं. विद्याधर शास्त्री	3. श्री गणेशराम शर्मा
4. श्री नित्यानन्द शास्त्री	5. प्रो. श्रीनिवास रथ	6. नवल किशोर कांकर
7. प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र	8. डॉ. हरिराम आचार्य	9. श्री कलानाथ शास्त्री
10. पं. श्रीराम दवे	11. पद्म शास्त्री	12. पं. विश्वनाथ मिश्र (निबन्धकार)
13. प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी	14. गिरिधर शर्मा नवरत्न	15. भट्ट श्री गिरधारी लाल शर्मा

विशेष– इकाई 1 व 4 (मधुचछन्दा) से व्याख्याएं संस्कृत माध्यम से प्रष्टव्य।

परीक्षकों के लिए निर्देश :

1. प्रश्नपत्र संस्कृत माध्यम से बनाया जाए।
2. प्रश्नपत्र इकाइयों में विभक्त हो।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित अंश की ही व्याख्या या उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछा जाए।
4. प्रश्नपत्र में कुछ न कुछ परिवर्तन होता रहता है, अतः पूर्ववर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र को आदर्श न मानें।

पाठ्य एवं सहायक ग्रन्थ

1. विवेकानन्दविजयम् – डॉ. विक्रमजीत, डॉ. भवानीशंकर शर्मा (हिन्दी व्याख्या सहित), हंसा प्रकाशन, जयपुर

2. विवेकानन्दविजयम् (मूल मात्र) – विवेकानन्द शिला स्मारक प्रकाशन, चेन्नई
3. राजस्थान अभिनव–संस्कृत–साहित्यम् – राजस्थान संस्कृत अकादमी
4. राजस्थान के संस्कृत कवि – राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर
5. राजस्थानगौरवम् – डॉ. गंगाधर भट्ट, राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयुपर
6. आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी
7. नवोन्मेषः – सं. डॉ. रामचन्द्र द्विवेदी, राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर
8. प. विद्याधर शास्त्री : व्यक्तित्व व कृतित्व – डॉ. परमानन्द सारस्वत
9. सागरिका – सागरिका समिति, सागर.
10. भारती (मासिक) – भारती कार्यालय, न्यू कॉलोनी, जयपुर
11. स्वरमंगला (त्रैमासिक) – संस्कृत अकादमी, जयपुर
12. शिवराज विजय – डॉ. रुपनारायण त्रिपाठी, हंसा प्रकाशन, जयपुर
13. मधुच्छन्दा – डा. हरिराम आचार्य
14. विद्याधरनीतिरत्नम् – डॉ. विक्रमजीत (सम्पादन व हिन्दी टीका), हंसा प्रकाशन, जयपुर

अथवा

षष्ठ प्रश्नपत्र (ग) लघुशोध प्रबन्ध (नियमित छात्रों के लिये)

वर्ग 'अ' साहित्य

सप्तम प्रश्नपत्र – संस्कृत काव्यशास्त्र

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

पाठ्यक्रम एवम् अंकयोजना

इकाई–1 काव्य प्रकाश – प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय उल्लास	20 अंक
इकाई–2 काव्य प्रकाश – चतुर्थ, पञ्चम एवं षष्ठ उल्लास	20 अंक
इकाई–3 काव्य प्रकाश – सप्तम (रसदोष मात्र) एवं अष्टम उल्लास	20 अंक
इकाई–4 ध्वन्यालोक – प्रथम उद्योत	20 अंक
इकाई–5 काव्यशास्त्र के प्रमुख चिन्तक, ग्रन्थ एवं सम्प्रदाय	20 अंक
योग	100 अंक

विशेष : इकाई–3, काव्य प्रकाश के सप्तम एवं अष्टम उल्लास के प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में देना होगा।

परीक्षकों के लिए निर्देश :

1. प्रश्नपत्र संस्कृत माध्यम से बनाया जाए।
2. प्रश्नपत्र इकाइयों में विभक्त हो।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित अंश की ही व्याख्या या उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछा जाए।
4. प्रश्नपत्र में कुछ न कुछ परिवर्तन होता रहता है, अतः पूर्ववर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र को आदर्श न मानें।

पाठ्य एवं सहायक पुस्तकें

1. काव्यप्रकाश – रामसागर त्रिपाठी, मोतीलाल बनारसी दास
2. काव्यप्रकाश – आ. विश्वेश्वर, चौखम्बा प्रकाशन
3. काव्यप्रकाश – श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
4. काव्यप्रकाश – श्रीनिवास शर्मा, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
5. रससिद्धान्त की शास्त्रीय समीक्षा – प्रा. सुरजनदास स्वामी
6. ध्वन्यालोक – आ. विश्वेश्वर, चौखम्बा प्रकाशन
7. ध्वन्यालोक – लोकमणि दाहाल, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
8. ध्वन्यालोक (लोचन) – रामसागर त्रिपाठी, मोतीलाल बनारसीदास
9. ध्वन्यालोक – डॉ. कृष्ण कुमार, साहित्य भण्डार, मेरठ
10. ध्वन्यालोक – कृष्णचन्द्र चतुर्वेदी, हंसा प्रकाशन, जयपुर
11. रसगंगाधर – मथुरानाथ शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास
12. रसगंगाधर – डॉ. रामाधार शर्मा, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली

13. रसगंगाधर – आ. बदरीनाथ झा, चौखम्बा प्रकाशन

14. काव्यप्रकाश – डॉ. सत्यव्रतसिंह, चौखम्बा प्रकाशन

15. रसालोचनम् – डॉ. ब्रह्मानन्द शर्मा, शरण पुस्तक भण्डार, जयपुर

16. संस्कृत पोइटिक्स – एस.के. डे

17. साहित्य शास्त्र का इतिहास – बलदेव उपाध्याय

18. काव्यदोष उद्‌भव एवं विकास प्रथम एवं द्वितीय खण्ड – डा. माधवदास व्यास

अष्टम प्रश्नपत्र – नाटक एवं नाट्‌यशास्त्र

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

नाटक

इकाई–1 भवभूति – उत्तररामचरितम् 20 अंक

इकाई–2 भट्टनारायण – वेणीसंहारनाटकम् 20 अंक

इकाई–3 नाटकों से सामान्य प्रश्न 10+10=20 अंक

इकाई–4 (अ) भरतनाट्‌यशास्त्रम् – अध्याय 1–2 मात्र 10 अंक

(ब) भरतनाट्‌यशास्त्रम् – अध्याय 6 10 अंक

इकाई–5 धनञ्‌जय – दशरूपकम् (प्रथम एवं तृतीय प्रकाश) 20 अंक

विशेष : उत्तररामचरितम् के एक श्लोक एवं दशरूपक की एक कारिका की व्याख्या (10+10 अंक) संस्कृत में करनी होगी 10+10=20 अंक

परीक्षकों के लिए निर्देश :

1. प्रश्नपत्र संस्कृत माध्यम से बनाया जाए।
2. प्रश्नपत्र इकाइयों में विभक्त हो।
3. पाठ्‌यक्रम में निर्धारित अंश की ही व्याख्या या उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछा जाए।
4. प्रश्नपत्र में कुछ न कुछ परिवर्तन होता रहता है, अतः पूर्ववर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र को आदर्श न मानें।

पाठ्‌य एवं सहायक पुस्तकें

1. उत्तररामचरितम् – डॉ. रामाधार शर्मा, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
2. उत्तररामचरितम् – डॉ. रमाकान्त त्रिपाठी, चौखम्बा प्रकाशन
3. उत्तररामचरितम् – आनन्दस्वरूप, जनार्दन शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास
4. वेणीसंहारम् – माधव जनार्दन रटाटे, भारतीय विद्या प्रकाशन
5. वेणीसंहारम् – रमाशंकर त्रिपाठी, मोतीलाल बनारसीदास
6. वेणीसंहारम् – परमेश्वरदीन पाण्डेय, चौखम्बा प्रकाशन

7. भरतनाट्यशास्त्र – डॉ. सत्यप्रकाश शर्मा, चौखम्बा प्रकाशन
8. भरतनाट्यशास्त्र – डॉ. पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
9. भरतनाट्यशास्त्र – डॉ. ब्रजमोहन चतुर्वेदी, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली
10. अभिनवभारती – अभिनवगुप्त, दिल्ली वि.वि. प्रकाशन
11. दशरूपकम् – बैजनाथ पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास
12. दशरूपकम् – डॉ. रामजी उपाध्याय, भारतीय विद्या प्रकाशन
13. दशरूपकम् – डॉ. भोलाशंकर व्यास, चौखम्बा प्रकाशन
14. दशरूपकम् – डॉ. श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
15. दशरूपकतत्त्वदर्शनम् – रामजी उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन
16. भरतनाट्यशास्त्र (अंग्रेजी अनुवाद) – मनमोहन घोष

नवम प्रश्नपत्र – (क) प्राचीन काव्य

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

पाठ्यक्र एवम् अंकयोजना

इकाई–1 शिशुपालवधम् – माघ (प्रथम सर्ग)	20 अंक
इकाई–2 विक्रमांकदेवचरितम् – बिल्हण (प्रथम सर्ग)	20 अंक
इकाई–3 नैषधीयचरितम् – श्रीहर्ष (प्रथम सर्ग)	20 अंक
इकाई–4 चम्पू भारतम् – अनन्तभट्ट (प्रथम स्तबक)	20 अंक
इकाई–5 निर्धारित पाठ्यग्रन्थों में से एक समालोचनात्मक प्रश्न	20 अंक

विशेष : विक्रमाङ्कदेवचरितम् एवं शिशुपालवधम् के एक–एक श्लोक की संस्कृत व्याख्या (10+10 अंक) पूछी जाएगी।

पाठ्यग्रन्थ एवं सहायक पुस्तकें

1. शिशुपालवध (प्र.स.) – पं. जगन्नाथ शास्त्री, भारतीय विद्या प्रकाशन
2. शिशुपालवध – रामजीलाल शर्मा, चौखम्बा प्रकाशन
3. शिशुपालवध – पं. तारिणीश झा, रामनारायणलाल बेणीमाधव, इलाहाबाद
4. विक्रमांकदेवचरित – पं. हरगोविन्द शास्त्री, चौखम्बा प्रकाशन
5. विक्रमांकदेवचरित – प्रताप नारायण पाण्डेय, भारतीय विद्या प्रकाशन
6. नैषधीयचरितम् (प्र.स.) – आ. शेषराज शर्मा, चौखम्बा प्रकाशन
7. नैषधीयचरितम् (प्र.स.) – मोहनदेव पंत, मोतीलाल बनारसीदास
8. नैषधीयचरितम् (प्र.स.) – डॉ. रामाधार शर्मा, भारतीय विद्या प्रकाशन

9. चम्पू भारतम् – अनन्त भट्ट

परीक्षकों के लिए निर्देश :

1. प्रश्नपत्र संस्कृत माध्यम से बनाया जाए।
2. प्रश्नपत्र इकाइयों में विभक्त हो।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित अंश की ही व्याख्या या उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछा जाए।
4. प्रश्नपत्र में कुछ न कुछ परिवर्तन होता रहता है, अतः पूर्ववर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र को आदर्श न मानें।

अथवा

नवम प्रश्नपत्र – (ख) विशेष कवि अध्ययन – भास

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

पाठ्यक्रम एवम् अंक–विभाजन

1. व्याख्या	60 अंक
2. सामान्य प्रश्न	40 अंक

व्याख्या

इकाई 1. (क)	प्रतिमा नाटकम्	20 अंक
इकाई 1. (ख)	1. पंचरात्रम् 2. कर्णभारम्	20 अंक
इकाई 2.	प्रतिज्ञायौगन्धरायणम्	20 अंक

सामान्य प्रश्न

इकाई 3. भास का जन्म स्थान, समय निर्धारण, भास नाटकचक्र के नाटककार की leL;k dk Á'u] egkHkkjr ,oa d`".kdFkkfJr :idksa dh leh{kk ¼oLrq] usrk ,oa jl½ 10 vad

इकाई 4.	लोक कथा एवम् उदयन कथाश्रित नाटकों की समीक्षा	15 अंक
इकाई 5.	भास की नाट्यशैली, अलंकार–योजना, प्रकृति–चित्रण, तत्कालीन सामाजिक स्थिति, सुभाषित, भास का प्रभाव	15 अंक

विशेष : इकाई 1 में से किन्हीं दो श्लोकों की संस्कृत में व्याख्या पूछी जाए। (10+10=20 अंक)

परीक्षकों के लिए निर्देश :

1. प्रश्नपत्र संस्कृत माध्यम से बनाया जाए।
2. प्रश्नपत्र इकाइयों में विभक्त हो।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित अंश की ही व्याख्या या उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछा जाए।
4. प्रश्नपत्र में कुछ न कुछ परिवर्तन होता रहता है, अतः पूर्ववर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र को आदर्श न मानें।

नवम प्रश्नपत्र – (ग) विशेष कवि अध्ययन – कालिदास

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन

1. व्याख्या	60 अंक
2. सामान्य प्रश्न	40 अंक

व्याख्या

इकाई 1.	(क) कुमारसंभवम् (पंचम सर्ग)	15 अंक
	(ख रघुवंशम् (चर्तुदश सर्ग)	15 अंक
इकाई 2.	(क) मालविकाग्निमित्रम्	15 अंक
	(ख) ऋतुसंहारम् (प्रथम एवं षष्ठ सर्ग)	15 अंक

सामान्य प्रश्न

इकाई 3.	स्थितिकाल, जन्मस्थान, रचनायें, कालिदासकालीन धार्मिक, सामाजिक, राजनैतिक तथा सांस्कृतिक स्थिति	10 अंक
इकाई 4.	कालिदास की नाट्यकला (वस्तु, नेता और रस)	15 अंक
इकाई 5.	कालिदास के गीतिकाव्य एवं महाकाव्यों की साहित्य–शास्त्रीय समीक्षा (सौन्दर्य वर्णन, ऋतु वर्णन, प्रकृति वर्णन, विलाप वर्णन, रस एवं अलंकार आदि)	15 अंक

विशेष : इकाई 1 में से किन्हीं दो श्लोकों की संस्कृत में व्याख्या पूछी जावे। (10+10=20 अंक)

परीक्षकों के लिए निर्देश :

1. प्रश्नपत्र संस्कृत माध्यम से बनाया जाए।
2. प्रश्नपत्र इकाइयों में विभक्त हो।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित अंश की ही व्याख्या या उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछा जाए।
4. प्रश्नपत्र में कुछ न कुछ परिवर्तन होता रहता है, अतः पूर्ववर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र को आदर्श न मानें।

पाठ्यग्रन्थ एवं सहायक पुस्तकें

1. कुमारसंभवम् (पंचमः सर्गः) – आचार्य म.म. पंडित श्री नवल किशोर कांकर, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
2. कुमारसंभवम् (पंचमः सर्गः) – डॉ. विश्वनाथ शर्मा, आदर्श प्रकाशन, चौड़ा रास्ता, जयपुर–3
3. रघुवंशमहाकाव्यम् (13–14 सर्ग)–श्री कृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
4. रघुवंशमहाकाव्यम् (13–14 सर्ग)–पं. जितेन्द्राचार्य, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली

5. मालविकाग्निमित्रम्—महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा—2
6. ऋतुसंहारम् – शिव प्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
7. कालिदास ग्रन्थावली—सं. ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

वर्ग 'आ' वैदिक साहित्य

सप्तम प्रश्नपत्र – संहिता पाठ

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

1. ऋग्वेद– मण्डल 1/115, 5/1, 7/95, 10/71, 10/117, 10/151, 10/159, 10/164, 10/190 30 अंक

2. अथर्ववेद–अधोलिखित सूक्त मात्र निर्धारित हैं 35 अंक

काण्ड	सूक्त
1.	5
2.	28, 33
3.	12, 16
4.	30
8.	9
9.	9 (1 से 14 मंत्र, अस्य, वामस्य)
11.	4 (प्राण) 5 (ब्रह्मचारी)
19.	52, 53

वाजसनेयी संहिता – अध्याय 1 एवं 36 20 अंक

टिप्पणी : परीक्षार्थियों से आशा की जाती है कि वेद में मंत्रों के विभिन्न भाष्य जिनमें सायण, कपालीशास्त्री, दयानन्द तथा उव्वट के नाम विशेषतः उल्लेखनीय हैं, पढ़ेगे तथा आधुनिक अर्थों से भी परिचित होंगे।

3. सायण कृत : ऋग्वेदभाष्य भूमिका 15 अंक

सहायक ग्रन्थ

1. वैदिक व्याकरण – डॉ रामगोपाल (दो भाग) नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली
2. श्री राम गोविन्द त्रिवेदी – वैदिक साहित्य, भारतीय ज्ञान पीठ, दुर्गाकुण्ड, काशी
3. मॅक्डोनेल – ए वैदिक ग्रामर फॉर स्टुडेन्ट्स (हिन्दी अनुवाद डॉ सत्यव्रत)
4. युधिष्ठिर मीमांसक – वैदिक स्वर मीमांसा
5. दयानन्द – ऋग्वेद भाष्य भूमिका
6. गोविन्दलाल बंशीलाल व रूग्रमिश्र शास्त्री – वैदिक व्याकरण भास्कर 32 सी, चैम्बर्स दिनशावांच्छा रोड, मुम्बई
7. डॉ. मंगलदेव शास्त्री – भारतीय संस्कृति का विकास
   (वैदिक धारा) भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, 620/21, नेताजी सुभाष मार्ग, दिल्ली–6

8. टी. कपाली शास्त्री – ऋग्भाष्य भूमिका

टिप्पणी : संस्तुत पुस्तकों से पाठ्यक्रम से सम्बद्ध अंश ही पढ़ने अपेक्षित है।

अष्टम प्रश्नपत्र – ब्राह्मण, उपनिषद् तथा वैदिक सहायक ग्रन्थ

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

1. ऐतरेय ब्राह्मण प्रथम पंजिका –प्रथम अध्याय	20 अंक
2. शतपथ ब्राह्मण – (माध्यन्दिन) काण्ड 1 अध्याय 1	20 अंक
3. यास्क निरुक्त – 7 एवं 10 अध्याय मात्र	30 अंक
4. ऋग्प्रातिशाख्य 1 एवं 2 पटल	15 अंक
5. छान्दोग्योपनिषद् – अध्याय प्रथम	15 अंक
	योग 100 अंक

सहायक पुस्तकें

1. डॉ. सिद्धेश्वर वर्मा – एटिमालोजी ऑफ यास्क (अध्याय 1 से 2)
2. कीथ – रिलिजन एण्ड फिलोसफी ऑफ द वेद एण्ड उपनिषद्स (अध्याय 26 से 28 तक)
3. ऋग्वेद प्रातिशाख्य – डॉ. वीरेन्द कुमार वर्मा
4. निरुक्त मीमांसा – शिवनारायण शास्त्री, इण्डोलोजिक बुक हाउस, सी.के. 31/10 नेपाली खपड़ा, पोस्ट बॉक्स 98, वाराणसी।
5. Dr. Fateh Singh – The Vedic Etymology

नवम प्रश्नपत्र – वैदिक धर्म का तुलनात्मक विवेचन एवं देवशास्त्र

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

1. वैदिक धर्म का तुलनात्मक विवेचन एवं देवशास्त्र	50 अंक
1. प्रमुख वैदिक भाष्यकार – सायण, यास्क, महीधर, महर्षि अरविन्द, बालगंगाधर तिलाक, दयानन्द पं. मधुसूदन ओझा, मेक्समूलर, वेबर, मैक्डोनल, बिह्टली, ग्रिफिथर, जैकोबी, विंटरनिट्त्ज	30 अंक
3. बृहद्देवता (प्रथम अध्याय)	20 अंक

सहायक पुस्तकें

1. देशमुख – ओरिजन एण्ड डवलपमेण्ट् ऑफ रिलीजन इन वैदिक लिटरेचर
2. कीथ – रिलीजन एण्ड फिलॉस्फी ऑफ् वेद एण्ड उपनिषद्स (अध्याय 1 से 15)
3. मैक्डॉनल – वैदिक माइथोलोजी
4. गंगाप्रसाद – फाउण्टेन हैड ऑफ् रिलीजन
5. वेदांगप्रकाश – वैदिक पुस्तकालय, अजमेर

6. दयानन्द – सत्यार्थ प्रकाश (उल्लास 11 से 14 तक) वैदिक पुस्तकालय, अजमेर
7. मैक्समूलर – पुराणशास्त्र एवं जनकथाएँ, इतिहास प्रकाशन संस्थान, वाराणसी, आदर्श हिन्दी पुस्तकालय, 4/9, अहिल्यापुर, इलाहाबाद
8. मैक्समूलर – दी सांइस ऑफ लैंग्वेज
9. वैदिक देवता – उद्‌भव एवं विकास (दो खण्ड), भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली

वर्ग 'इ' दर्शनशास्त्र

सप्तम प्रश्नपत्र – न्याय और वैशेषिक दर्शन

समय 3 घण्टे **100 अंक**

1. न्यायसूत्र (वात्स्यायनभाष्य सहित) प्रथम अध्याय	20 अंक
2. प्रशस्तपादभाष्य (प्रारम्भ से बुद्धिनिरूपण तक)	20 अंक
3. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड)	20 अंक
4. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (अनुमान खण्ड)	20 अंक
5. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (शब्द खण्ड)	20 अंक
	योग 100 अंक

सहायक पुस्तकें

1. शास्त्री धर्मेन्द्रनाथ – (व्या.) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड), मोतीलाल बनारसीदास।
2. शास्त्री दयाशंकर – (व्या.) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (शब्द खण्ड), सुरभारती प्रकाशन, बालाजी मार्केट, कानपुर।
3. झा. दुर्गाधर – (अनु.) प्रशस्तपादभाष्य (न्यायकन्दली सहित), सम्पूर्णानन्द, संस्कृत वि.वि., वाराणसी।
4. मिश्र, श्रीनारायण : वैशेषिक दर्शन – एक अध्ययन
5. ठक्कुर, अनन्तलाल – (स.) न्यायदर्शनम् (प्रथमाध्यायात्मक प्रथम भाग, मिथिला, विद्यापीठ, दरभंगा, बिहार।
6. मिश्र, सच्चिदानन्द – (व्या.) न्यायदर्शनम् भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली।
7. शास्त्री, श्रीनिवास – (व्या.) प्रशस्तपादभाष्य, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ–2

अष्टम प्रश्नपत्र – सांख्य–योग–मीमांसा दर्शन

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

1. सांख्यकारिका (सांख्यतत्त्वकौमुदी सहित) 1 से 30 कारिका	25 अंक
2. योगसूत्र (समाधिपाद) व्यासभाष्य तथा तत्त्ववैशारदी सहित	25 अंक
3. योगसूत्र (साधनपाद) (व्यासभाष्य तथा तत्त्ववैशारदी सहित)	25 अंक

4. जैमिनिसूत्र शाबरभाष्य (तर्कपाद) 25 अंक

योग 100 अंक

संस्तुत पुस्तकें

1. सांख्यतत्त्वकौमुदी – (व्या.) डॉ. आद्याप्रसाद मिश्र
2. सांख्यतत्त्वकौमुदी – (व्या.) डॉ. रामशंकर भट्टाचार्य, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3. सांख्यतत्त्वकौमुदी – (व्या.) गजानन शास्त्री मुसलगांवकर
4. सांख्यदर्शन की ऐतिहासिक परम्परा – डॉ. आद्याप्रसाद मिश्र

नवम प्रश्नपत्र – अद्वैत वेदान्त दर्शन

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

1. ब्रह्मसूत्र–चतुःसूत्री (शांकरभाष्य सहित) 40 अंक
2. ब्रह्मसूत्र–द्वितीय अध्याय का द्वितीय पाद (शांकरभाष्य सहित) 40 अंक
3. वेदान्तपरिभाषा (प्रत्यक्ष परिच्छेद) 20 अंक

सहायक पुस्तकें

1. ब्रह्मसूत्र – चतुःसूत्री (व्या.) विश्वेश्वर सिद्धान्तशिरोमणि
2. ब्रह्मसूत्र – चतुःसूत्री (व्या.) कामेश्वरनाथ मिश्र
3. माण्डूक्योपनिषद् (माण्डूक्यकारिका सहित) – गीता प्रेस गोरखपुर
4. Mandukkya Karika – English translation and notes by R.D. Karmarkar, bhandarkar Oriental Research Institute, Poona.
5. Arthasamgraha : English translation and notes buy A.B. Gajendra Gadkar & R.D. Karmarkar, Motilal Banarsidad, Delhi
6. भामती–एक अध्ययन – डॉ. ईश्वरसिंह
7. Vedanta explained (Valume-I) – V.h. Date, Bookseller, Publishing Co., V.p. Road, Bombay.
8. अद्वैत वैदान्त में आभासवाद – डॉ. सत्यदेव मिश्र, इन्दिरा प्रकाशन, पटना

वर्ग 'ई' व्याकरणशास्त्र

सप्तम प्रश्नपत्र – वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

अंक विभाजन

1. सिद्धान्त कौमुदी – संज्ञा, परिभाषा एवं संधि प्रकरण 25 अंक
2. सिद्धान्त कौमुदी – सुबन्त प्रकरण 25 अंक
3. सिद्धान्त कौमुदी – भ्वादिगण (पङ्क्त्यंश को छोड़कर) 25 अंक
4. सिद्धान्त कौमुदी – अदादिगण से चुरादिगण (पङ्क्त्यंश को छोड़कर) 25 अंक

योग 100 अंक

पाठ्यक्रम

1. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी – भट्टोजि दीक्षित

विशेष : 1. प्रश्न पत्र संस्कृत माध्यम से बनाया जाएगा।

2. भ्वादिगण की सिद्धियाँ संस्कृत में लिखनी होगी।

सहायक पुस्तकें

1. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी – बालमनोरमा–हिन्दी व्याख्या सहित – गोपालदत्त पाण्डेय
2. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी – बालमनोरमा–तत्व बोधिनी टीकाद्वयोपेत
3. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी – बालमनोरमा–लक्ष्मीटीका–सभापति शर्मा

अष्टम प्रश्नपत्र – प्रक्रिया एवं दर्शन

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

अंक विभाजन

1. सिद्धान्त कौमुदी (अव्ययीभाव समास प्रकरण एवं तत्पुरुष समास प्रकरण)	20 अंक
2. सिद्धान्त कौमुदी (बहुव्रीहिसमास प्रकरण से अलुक्समास प्रकरणान्त)	20 अंक
3. सिद्धान्त कौमुदी (आत्मनेपद एवं परस्मैपद)	20 अंक
4. महाभाष्य (प्रथम आह्निक) पस्पशाह्निक–प्रदीपउद्योत सहित	20 अंक
5. महाभाष्य (द्वितीय आह्निक) प्रत्याहाराह्निक–प्रदीपउद्योत सहित	20 अंक
	योग 100 अंक

विशेष : 1. प्रश्न पत्र संस्कृत में बनाया जाएगा

2. आत्मनेपद एवं परस्मैपद क्रिया के प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में पूछे जाएंगे।

सहायक पुस्तकें

1. महाभाष्यम् – प्रदीप–उद्योतटीका
2. महाभाष्यम् – युधिष्ठिर मीमांसक
3. महाभाष्यम् – प्रदीपउद्योत – छाया टीका सहित – पायगुण्डे

नवम प्रश्नपत्र – व्याकरण दर्शन

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

अंक विभाजन

1. वाक्यपदीय (ब्रह्मकाण्ड) स्वोपज्ञटीका सहित कारिका 1–43	20 अंक
2. वाक्यपदीय (ब्रह्मकाण्ड) स्वोपज्ञटीका सहित कारिका 44–106 तक	20 अंक
3. वाक्यपदीय (ब्रह्मकाण्ड) स्वोपज्ञटीका सहित कारिका 107–156 तक	20 अंक
4. वैयाकरण भूषणसार (धात्वर्थ निरूपण)	20 अंक
5. वैयाकरण भूषणसार (स्फोटनिर्णय)	20 अंक
	योग 100 अंक

विशेष : वाक्यपदीय (ब्रह्मकाण्ड) 107 से 156 तक की कारिकाओं की व्याख्या संस्कृत में पूछी जाएगी।

पाठ्यग्रन्थ

1. वाक्यपदीयम् (भर्तृहरि)

2. वैयाकरण भूषणसार (कौण्डभट्ट)

सहायक पुस्तकें

1. वाक्यपदीयम् – शिवशंकर अवस्थी
2. वाक्यपदीयम् – वामदेव आचार्य
3. वाक्यपदीयम् – पं. रघुनाथ शर्मा
4. भर्तृहरि का वाक्यपदीयम् – अनु. के.ए. सुब्रह्मण्य अय्यर
5. वैयाकरणभूषणसार – भैमीव्याख्या भीमसेन शास्त्री
6. वैयाकरणभूषणसार – ब्रह्मदत्त द्विवेदी
7. वैयाकरणभूषणसार – गोपाल शास्त्री नेने
8. वैयाकरणभूषणसार – पं. श्यामाचरण त्रिपाठी